

ए चटिठी के लखिइया पौलुस प्रेरित ए (3:5-6; 16:21) अऊ कुरनिथुस सहर म कलीसिया के इस्थापना घलो पौलुस प्रेरित करे रहिस। ए कलीसिया म मसीही जनिगी अऊ बसिवास के बारे म कतको समस्या रहिस। ए समस्या के निपटारा करे बर पौलुस ए पहिली चटिठी कुरनिथुस के कलीसिया ला लखिथे। ओ समय म कुरनिथुस ह एक नामी सहर रहिस अऊ रोमी राज के अधीन म यूनान देस के राजधानी रहिस। एह एक धनी सहर रहिस अऊ एकर रीति-रिवाज अऊ आने-आने धरम के कारन दूरिहा-दूरिहा तक एकर नांव रहिस। पर संगे-संग अनैतिक काम के कारन ए सहर ह बदनाम घलो रहिस। पौलुस ह कलीसिया म दलबंदी अऊ अनैतिक काम के कारन चर्चित रहिस। ओह आने सवाल जइसने कि—सारीरिक संबंध, बहिाव, बधिक, कलीसिया सासन, पबतिर आतमा के बरदान अऊ मरे मनखेमन के फेर जी उठे के बारे म घलो चर्चित रहिस। पौलुस ह बताथे कि कइसने सुघर संदेस के दुवारा ए समस्या के समाधान हो सकथे। अध्याय— 13 म, पौलुस ह मया ला सबले बड़े बरदान बताथे अऊ एह ए चटिठी म सबले खास अध्याय अय। ए चटिठी ला खाल्हे लखि भाग म बांटे जा सकथे।

जोहार 1:1-9

कलीसिया म दलबंदी 1:10-4:21

नैतिकता अऊ परचारिक जनिगी 5-7

मसीही अऊ मूर्ती-पूजा करइया 8:1-11:1

कलीसिया के जनिगी अऊ अराधना 11:2-14:40

मसीह यीसू अऊ बसिवासीमन के फेर जी उठई 15

यहूदिया प्रदेश के मसीहीमन खातिर दान 16:1-4

नजी अऊ सार बात 16:5-24

1 पौलुस कोर्ता ले जऊन ह परमेसर के ईछा ले मसीह यीसू के प्रेरित होय बर

बलाय गे हवय अऊ हमर भाई सोसथनिस कोर्ता ले ए चटिठी-

2परमेसर के ओ कलीसिया ला जऊन ह कुरनिथुस सहर म हवय; कलीसिया याने कि ओमन जऊन मन कमिही यीसू म पबतिर करे गे हवय अऊ पबतिर होय बर बलाय गे हवय; अऊ संग म ओ जम्मो इन जऊन मन हर जगह हमर परभू यीसू मसीह के नांव लेथें। ओह ओमन के परभू अऊ हमर परभू घलो अय।

3हमर ददा परमेसर अऊ परभू यीसू मसीह कोर्ता ले तुमन ला अनुग्रह अऊ सांता मलिय।

धनबाद

4मेंह तुम्हर बर हमेसा परमेसर के धनबाद करथं काबरकि ओह मसीह यीसू के जरथि तुमन ला अनुग्रह दे हवय। 5मसीह म तुम्हर बसिवास के कारन तुमन ला हर एक बात म सम्पन्न करे गे हवय याने कि बचन बोले म अऊ जम्मो गयान म। 6काबरकि मसीह के बारे म हमन जऊन गवाही दे हवन, ओह तुमन म पक्का हो गे हवय। 7एकरसेता तुमन म कोनो आत्मिक बरदान के घटी नई ए, जब तुमन हमर परभू यीसू मसीह के परगट होय के बाट जोहथव। 8ओह तुमन ला आखिरी तक मजबूत बनाय रखी, ताकि तुमन हमर परभू यीसू मसीह के दिन म नरिदोस ठहरव। 9परमेसर ह बसिवासयोग्य अय अऊ ओह तुमन ला अपन बेटा याने हमर परभू यीसू मसीह के संगती म बलाय हवय।

कलीसिया म फूट

10हे भाईमन हो, मेंह तुमन ले हमर परभू यीसू मसीह के नांव म बनिती करत हंव कि तुमन जम्मो इन एक-दूसर के बात म सहमती रखव, ताकि तुम्हर बीच म फूट इन पड़य अऊ तुमन म एक मन अऊ एक बचार के संग पूरा-पूरी एकता रहय। 11हे मोर भाईमन हो, खलोए के परचार के कुछ मनखेमन मोला बताय हवय कि तुम्हर बीच म झगरा होवत हवय। 12मोर कहे के मतलब ए अय

कति तुमन ले कोनो ए कहथि, “मेंह पौलुस के अंव;” त कोनो कहथि, “मेंह अपुल्लोस के अंव;” त कोनो कहथि, “मेंह पतरस (कैफा) के अंव” अऊ कोनो कहथि, “मेंह मसीह के अंव।”

13का मसीह के बांटा हो गे हवय? का पौलुस ह तुम्हर बर कुरस म मरसि? का तुमन पौलुस के नांव में बतसिमा ले हवय? 14मेंह परमेसर के धनबाद करथंव कि क्रिसिपुस अऊ गयुस के छोड़, मेंह तुमन ले कोनो ला बतसिमा नई दे हवंव। 15एकरसेत कि कोनो नई कह सकय कि तुमन मोर नांव म बतसिमा ले हवव। 16(अऊ हां, मेंह स्तफिनास के परिवार ला घलो बतसिमा दे हवंव; एकर छोड़, मोला सुरता नई ए कि मेंह अऊ कोनो ला बतसिमा दे हवंव।) 17काबरकामसीह ह मोला बतसिमा दे बर नई, पर सुघर संदेस के परचार करे बर पठोईस; अऊ ए सुघर संदेस के परचार मेंह संसारकि बुद्धि ले नई करंय, ताकि मसीह के कुरस के सकृति ह बेकार झन होवय।

मसीह ह परमेसर के बुद्धि अऊ सामरथ ए

18काबरक जऊन मन भटक गे हवंव, ओमन बर कुरस म मसीह के मरितू के संदेस ह मूर्खता ए, पर हम उद्धार पवइयामन बर एह परमेसर के सामरथ ए। 19काबरक परमेसर के बचन म ए लिखे हवय:

“मेंह गयिनीमन के गयिान ला नास करहू;

अऊ चतुर मनखेमन के चतुरई ला मेंह बेकार कर दूहूं।”

20कहां गीन गयिनी मनखेमन, कहां गीन वदिवान? अऊ ए पीढ़ी के बाद-बिवाद करइयामन कहां हवंव? परमेसर ह संसार के गयिान ला मुख साबित कर दे हवय। 21काबरक परमेसर के गयिान म ए बात साफ ए, कि मनखे ह अपन गयिान के दुवारा परमेसर ला नई जानसि। परमेसर ह ओ मूर्खता के संदेस म खुस होईस, जेकर परचार हमन ओमन के उद्धार बर करथन, जऊन मन बसिवास करथें। 22यहूदीमन

चमतकार के काम देखाय के मांग करथें अऊ यूनानीमन गयिान के खोज म रहथि। 23पर हमन तो मसीह के परचार करथन, जऊन ह कुरस ऊपर चघाय गीस। एह अइसने संदेस ए, जऊन ह यहूदीमन बर ठोकर के कारन अऊ आनजातमन बर मूर्खता ए। 24पर जऊन मन ला परमेसर ह बलाय हवय, चाहे ओमन यहूदी होवंव या यूनानी, ओमन बर मसीह ह परमेसर के सामरथ अऊ परमेसर के गयिान अय। 25काबरक परमेसर के मूर्खता ह मनखेमन के गयिान ले जादा बुद्धि के बात ए अऊ परमेसर के कमजोरी ह मनखेमन के बल ले जादा बलवान ए।

26हे भाईमन हो, जरा सोचव, जब परमेसर ह तुमन ला बलाईस, त तुमन के का स्थिति रहिसि। तुमन ले बहुत झन, मनखेमन के नजर म न तो बुद्धिमान रहिनि, न बहुते मन परभावसाली अऊ न ही बहुते मन ऊंच घराना के रहिनि। 27पर परमेसर ह संसार के मुखमन ला चुनसि ताकि गयिानी मनखेमन लज्जति होवंव; परमेसर ह दुरबलमन ला चुनसि ताकि बलवानमन लज्जति होवंव। 28परमेसर ह संसार के नीच अऊ तुछ चीजमन ला चुनसि अऊ ओह ओ चीजमन ला चुनसि, जऊन मन कुछू नो हंव, ताकि ओह ओ चीजमन ला बेकार ठहराय, जऊन ला मनखेमन बड़े महत्व के समझथें, 29ताकि कोनो मनखे परमेसर के आघू म घमंड झन कर सकय। 30परमेसर के कारन ही हमर संगति मसीह यीसू म हवय अऊ परमेसर ह मसीह ला हमर गयिान बना दीस, जेकर दुवारा हमन धरमी अऊ पबतिर ठहरिथन अऊ ओकर दुवारा हमर छुटकारा होथे। 31एकरसेत, जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय: “यदि कोनो घमंड करथे, त ओह परभू के काम ऊपर घमंड करय।”

2 हे भाईमन हो, जब मेंह तुम्हर करा परमेसर के गवाही के परचार करत आवंव, त मेंह एक बने बक्ता के रूप म या उत्तम गयिान के संग नई आवंव। 2काबरक जब मेंह तुम्हर संग रहेंव, त मेंह ए ठान ले रहेंव कि यीसू मसीह अऊ कुरस म ओकर

मरितू के छोड़ अऊ कोनो बात ला नई जानव। 3मेंह तुम्हर करा नरिबल मनखे के रूप म भय के संग अऊ बहुंत कांपत आएंव। 4मोर संदेस अऊ परचार म गयान अऊ मोह लेवइया बात नई रहिसि, पर एम परमेसर के आतमा के सामरथ के सबूत रहिसि, 5ताकी तुम्हर बसिवास ह मनखेमन के बुद्धी के ऊपर नई, पर परमेसर के सामरथ ऊपर नरिभर रहय।

पबतिर आतमा के गयान

6तभो ले हमन समझदार मनखेमन के बीच म गयान के बात जरूर बताथन, पर एह ए जुग के गयान या ए जुग म ओ सासन करइयामन के गयान नो हय, जऊन मन खतम हो जाहीं। 7पर हमन परमेसर के गुप्त गयान के बारे म गोठियाथन जऊन ह छुपाय गे रहिसि अऊ जऊन ला परमेसर ह संसार ला बनाय के पहिली हमर महिमा बर ठहराय रहिसि। 8ए जुग म सासन करइया कोनो घलो एला नई समझनि, काबरकी यदी ओमन एला समझे रहतिनि, त ओमन ओ महिमामय परभू ला कुरुस म खीला ठोंकके नई मारे होतनि। 9पर जइसने परमेसर के बचन म ए लिखे हवय:

“जऊन चीज ला कोनो मनखे नई देखे हवय, जऊन बात ला कोनो मनखे नई सुने हवय,
जऊन बात ला कोनो मनखे समझ नई सकनि,
ओहीच बात ला परमेसर ह ओमन बर तयार करे हवय,
जऊन मन ओकर ले मया करथें।”

10पर परमेसर ह ए बात ला अपन आतमा के दुवारा हमन ला बताय हवय।

ओकर आतमा ह हर एक चीज ला खोज लेथे, अऊ त अऊ परमेसर के गहरिई के बातमन ला घलो। 11मनखेमन म कोन ए जऊन ह कोनो आने मनखे के मन के बात ला जानथे। सरिपि ओ मनखे के आतमा ही ओकरेच मन के बात ला जानथे। ओही कसिम ले परमेसर के बातमन ला कोनो नई जानय। सरिपि परमेसर के आतमा ही एला

जानथे। 12हमन संसार के आतमा नई पाय हवन, पर हमन परमेसर के पठोय आतमा ला पाय हवन, ताकी हमन ओ बात ला समझ सकन, जऊन ला परमेसर ह हमन ला मुफत म दे हवय। 13जऊन मन करा पबतिर आतमा हवय, ओमन ला जब हमन आतमकि सच ला बताथन, त हमन मनखे के गयान के दुवारा सखिोय बात ला नई, पर पबतिर आतमा के दुवारा सखिोय बातमन ला बताथन। 14जऊन मनखे करा पबतिर आतमा नई ए, ओह ओ बातमन ला गरहन नई करय, जऊन ह परमेसर के आतमा करा ले आथे, काबरकी ओ बातमन ओकर बर मूर्खता के बात अंय, अऊ ओमन ला ओह नई समझ सकय, काबरकी ओ बातमन ला सरिपि ओह समझ सकथे, जेकर करा पबतिर आतमा हवय। 15जऊन मनखे करा पबतिर आतमा हवय, ओह हर एक चीज ला सही या गलत रूप म परखथे, पर कोनो आने मनखे ओला परखे नई सकय।

16परमेसर के बचन म लिखे हवय:

“परभू के मन ला कोन ह जाने हवय
की ओह ओला सखिोवय?”

पर हमन करा मसीह के मन हवय।

कलीसिया म गुटबंदी

3 हे भाईमन हो, मेंह तुमन ले वइसने बात नई कर सकेंव, जइसने मेंह आतमकि मनखेमन ले करथेंव, पर मेंह तुमन ले वइसने बात करेंव, जइसने की संसारकि मनखे अऊ जऊन मन मसीही बसिवास म लइका ऐ, ओमन ले करे जाथे। 2मेंह तुमन ला गोरस पयाएंव, ठोस आहार नई खवाएंव, काबरकी तुमन एकर बर तयार नई रहेव। वास्तव म, तुमन अभी घलो ठोस आहार बर तयार नई अव। 3तुमन अभी घलो संसारकि मनखे हव। जब तुमन एक-दूसर ले जलन रखथव अऊ तुमन एक-दूसर ले झगरा करथव, त का तुमन संसारकि मनखे नो हव? का तुमन सधारन मनखेमन सहीं नई चलथव? 4काबरकी जब एक झन कहथि, “मेंह पौलुस के अंव” अऊ

दूसर झन कहथि, “मेंह अपुल्लोस के अंव”, त का तुमन सधारन मनखे नो हव?

5अपुल्लोस ह कोन ए? अऊ पौलुस ह कोन ए? हमन सरिपि परमेसर के सेवक अन, जेकर दुवारा तुमन बसिवास म आय हवव, जइसने कि परभू ह हमन ले हर एक ला ओकर काम सऊपे हवय। 6मेंह बीजा ला बोएव, अपुल्लोस ह एम पानी डारसि, पर परमेसर ह एला बढ़ाईस। 7एकरसेति, न तो बोवइया अऊ न तो पानी डलइया कुछू अंय, पर सरिपि परमेसर के महत्व हवय, जऊन ह पौधा ला बढ़ाथे। 8जऊन ह बोथे अऊ जऊन ह पानी डारथे, ए दूनों के एकेच उदेस्य ए। परमेसर ह हर एक ला ओकर महिनत के हिसाब ले इनाम दहि। 9काबरकाहमन परमेसर के सेवा म सह-करमी अन; तुमन परमेसर के खेत अऊ परमेसर के भवन अव।

10परमेसर ह मोला अनुग्रह दीस अऊ ओ अनुग्रह के मुताबकि, मेंह एक कुसल घर बनइया के रूप म नीव डारेंव, अऊ आने मन ओकर ऊपर घर बनावत हवय। पर हर एक झन सचेत रहय कि ओह कइसने घर बनावत हवय। 11काबरका पहिली ले एक नीव डारे गे हवय, जऊन ह यीसू मसीह ए, अऊ ए नीव के छोंड़ कोनो अऊ आने नीव नई डार सकय। 12कहू कोनो मनखे ए नीव ऊपर सोना, चांदी, कीमती पथरा, कठवा, कांदी या पैरा डारके घर बनाथे, 13त ओकर काम ह उजागर हो जाही; मसीह ह एला ओ दनि अंजोर म लानही, जब ओह लहुंटके आही। एह आगी के संग परगट करे जाही, अऊ आगी ह हर एक मनखे के काम ला परखही कि ओह कइसने हवय। 14ए जांच म, कहू ओ मनखे के काम ह बने रहथि, त ओह इनाम पाही। 15पर कहू ओकर काम ह जर जाथे, त ओला नुकसान होही; ओह खुद तो बच जाही, पर अइसने बचही, जइसने कोनो आगी म जरत-जरत बचथे।

16का तुमन नई जानव कि तुमन खुद परमेसर के मंदिर अव अऊ परमेसर के आतमा तुमन म रहथि। 17यदि कोनो परमेसर के मंदिर ला नास करथे, त परमेसर ह ओला

नास करही; काबरका परमेसर के मंदिर ह तो पबतिर ए, अऊ तुमन ओ मंदिर अव।

18अपन-आप ला धोखा झन देवव। कहू तुमन ले कोनो ए संसार के सोच के मुताबकि अपन-आप ला बुद्धिमान समझथे, त ओला मुख बन जाना चाही ताकि ओह सही म बुद्धिमान बन सकय। 19काबरका ए संसार के बुद्धि ह परमेसर के नजर म मूर्खता ए। जइसने कि परमेसर के बचन म ए लिखे हवय, “परमेसर ह बुद्धिमानमन ला ओहीच मन के चतुरई म फंसो देथे।” 20अऊ ए घलो लिखे हवय, “परभू ह जानथे कि बुद्धिमानमन के बचार ह बेकार अंय।” 21एकरसेति मनखेमन ऊपर कोनो घमंड झन करय। जम्मो चीज ह तुम्हर ए, 22चाहे ओह पौलुस ए या अपुल्लोस या पतरस (कैफा) या ए संसार या जनिगी या मरितू या ए जुग या अवइया जुग—ए जम्मो ह तुम्हर ए; 23अऊ तुमन मसीह के अव अऊ मसीह परमेसर के अय।

मसीह के प्रेरितमन

4 एकरसेति, मनखेमन हमन ला मसीह के सेवक अऊ परमेसर के भेद के बातमन के रखवार के रूप म जानय। 2अब ए बात के जरूरत हवय कि जऊन मन ला ए जमिंदारी देय गे हवय, ओमन अपन-आप ला बसिवास के लइक साबति करय। 3यदि तुमन या कोनो अदालत मोला परखथे, त मेंह जादा धियान नई देवव। वास्तव म, मेंह खुद अपन-आप ला नई परखव। 4मोर बविक ह साफ हवय, पर एकर मतलब ए नो हय कि मेंह नरिदोस अंव, काबरका मोला परखइया तो परभू ए। 5एकरसेति, ठहरिय गे समय के पहिली कोनो भी चीज ला झन परखव। परभू के आवत तक इंतजार करव। ओह अंधियार म छुपे बातमन ला अंजोर म लानही अऊ ओह मनखेमन के हरिदय के बात ला परगट करही। ओतकी बेरा हर एक झन परमेसर ले परसंसा पाही।

6हे भाईमन, तुम्हर लाभ खातिर, मेंह ए बातमन म अपन अऊ अपुल्लोस के चरचा

उदाहरन के रूप म करे हवंव, ताकी तुमन हमर ले ए कहावत के मतलब ला समझव, “परमेसर के बचन म लिखे बातमन ला मानव।” तब तुमन एक मनखे ला छोंड़के आने के ऊपर घमंड नई करहू। 7कोन ह तुमन ला आने ले बने मनखे बनाथे? तुम्हर करा जऊन कुछ हवय, ओह परमेसर के दुवारा दयि गे हवय। अऊ जब तुमन ला ए चीजमन मलि हवय, त तुमन काबर अइसने घमंड करथव, जइसने एमन परमेसर के दान नो हय?

8तुमन जऊन कुछ चाहथव, ओ जम्मो चीज तुम्हर करा पहिली ले हवय। तुमन पहिली ही धनी बन गे हवव। तुमन हमर बगिर राजा बन गे हवव। बने होतसि की तुमन सहीच म राजा बन जातेव, ताकी हमन घलो तुम्हर संग राजा बन जातेन। 9काबरकी मोला अइसने लगथे की परमेसर ह हमन ला सबले आखरी म प्रेरति ठहराय हवय अऊ ओ भी ओ मनखेमन सही, जऊन मन ला खुले आम मरितू दंड के सजा सुनाय गे हवय। हमन ह स्वरगदूत अऊ मनखेमन के जम्मो संसार बर एक तमासा बन गे हवन। 10हमन मसीह के खातिर मुख अन, पर तुमन मसीह म बहुत बुद्धिमन अव। हमन दुरबल अन, पर तुमन बलवान अव। तुमन आदर पाथव, पर हमर अपमान होथे। 11हमन ए बखत घलो भूखन अऊ पीयासन हवन; हमन फटहा-चीरहा कपड़ा पहिर हवन; हमन मार खावथन; हमर करा रहे बर घर नई ए। 12हमन अपन हाथ ले कठोर महिनत करथन। जब मनखेमन हमन ला गाली बकथे, त हमन ओमन ला आससि देथन। जब हमर ऊपर अतयाचार करे जाथे, त हमन सह लेथन। 13जब मनखेमन हमर बदनामी करथे, त हमन नरम अऊ सांत मन होके जबाब देथन। अभी हमन धरती के कुड़ा-कचरा सही संसार के बेकार चीज अन।

14मेंह तुम्हर बेजुती करे बर ए बात नई लिखित हवंव, पर अपन मयारू लइका जानके तुमन ला चेतावत हवंव। 15हालाकी मसीह म तुम्हर देख-रेख करइया हजारों मनखे हो सकथे, पर तुम्हर बहुते ददा नई एं, काबरकी

सुघर संदेस के परचार करे के दुवारा मसीह यीसू म, मेंह तुम्हर ददा बन गेवं। 16एकरसेति, मेंह तुम्हर ले बनिती करथंव की तुमन मोर सही चाल चलव। 17एकरे कारन, मेंह अपन मयारू बेटा तीमुथियुस ला तुम्हर करा पठोवत हवंव। ओह परभू म बसिवास के लइक अय। ओह तुमन ला, मसीह यीसू म मोर चाल-चलन के सुरता कराही अऊ जऊन बात, मेंह हर जगह कलीसिया म सिखोथंव, ओह मोर चाल-चलन ले मेल खाथे।

18तुमन ले कुछू झन घमंडी हो गे हवंव, जइसने की मेंह अब तुम्हर करा आबेच नई करंव। 19पर कहूं परभू के ईछा होही, त मेंह तुम्हर करा बहुत जल्दी आहूं अऊ तब मेंह देखहूं की घमंडी मनखेमन का गोठियावत हवंव अऊ ओमन करा का सक्ती हवय। 20काबरकी परमेसर के राज ह बात करे के चीज नो हय, पर एह सामरथ के बात ए। 21तुमन का चाहथव? का मेंह तुमन ला सजा दे बर आवंव? या फेर मेंह तुम्हर करा मया अऊ दयालु आतमा म होके आवंव?

दुराचार भाई ला कलीसिया के संगती ले नकारव

5 ए बात बताय गे हवय की तुम्हर बीच म छिनारी होवथे अऊ ओ भी अइसने कसिम के छिनारी, जऊन ह आनजातमन म घलो नई होवय—एक मनखे ह अपन ददा के घरवाली ला रख ले हवय। 2अऊ तुमन घमंड करथव। तुमन ला तो एकर कारन ले दुःखी होना चाही अऊ जऊन मनखे ह अइसने काम करे हवय, ओला अपन संगती ले नकार बाहरि करना चाही। 3हालाकी मेंह सारीरकि रूप म तुम्हर संग नई अंव, पर आतमा म मेंह तुम्हर संग हाजिर हवंव अऊ अइसने सोचव की मेंह उहां हाजिर होके, ओ मनखे के बरिध म फैसला सुना चुके हवंव, जऊन ह अइसने काम करे हवय। 4जब तुमन हमर परभू यीसू के नांव म जूरथव अऊ मेंह तुम्हर संग आतमा म हवंव अऊ हमर परभू यीसू के सामरथ उहां हवय, 5त ए मनखे ला सैतान के हाथ म सकुं देवव, ताकी ओकर पापी

सुभाव ह नास हो जावय अऊ परभू के दनि म ओकर आतमा ह बच जावय।

6तुम्हर घमंड करई ह ठीक नो हय। का तुमन नई जानव कि थोरकन खमीर ह जम्मो गुंथाय आंटा ला खमीर कर देखे? 7जुन्ना खमीर सहीं पाप ला अपन म ले नकार दव, ताका तुमन बगिर खमीर के नवां गुंथाय आंटा सहीं बगिर पाप के हो जावव—जइसने का सही म तुमन हवव। काबरका मसीह ह हमर बर बलदान हो गे हवय, जऊन ह फसह के मेढ़ा पीला ए। 8एकरसेति आवव, हमन तहियार ला, ए जुन्ना खमीर के रोटी के संग झन मनई, काबरका ए जुन्ना खमीर ह पाप अऊ दुस्मता ए। पर आवव, हमन बगिर खमीर के रोटी के संग तहियार ला मनई, काबरका बगिर खमीर के रोटी ह ईमानदारी अऊ सच्चई ए।

9मेंह अपन चिट्ठी म तुमन ला लिखे हवंव कि छिनार मनखेमन संग संगती झन करव। 10मोर कहे के मतलब ए संसार के ओ मनखेमन नो हंय, जऊन मन अनैतिक, या लोभी अऊ धोखेबाज या मूर्ती-पूजा करइया अंय। काबरका अइसने दसा म तो तुमन ला ए संसार ला छोड़ना पड़ जाही। 11पर मोर कहे के मतलब ए अय कि तुमन ओ मनखे के संग संगती झन करव, जऊन ह अपन-आप ला भाई (मसीह ऊपर बसिवास करइया) कहथि, पर ओह छिनार या लोभी, मूर्ती-पूजा करइया या बदनामी करइया, पयिक्कड़ या धोखेबाज ए। अइसने मनखे संग खाना घलो झन खावव।

12कलीसिया के बाहिर के मनखेमन के बारे म नियाय करई मोर काम नो हय। पर कलीसिया के मनखेमन के नियाय करई तुम्हर काम ए। 13परमेसर ह बाहिर के मनखेमन के नियाय करही। परमेसर के बचन म लिखे हवय, “कुकरमी मनखे ला अपन बीच म ले नकार दव।”

बसिवासीमन के बीच म मुकदमा

6 यदी तुमन ले काकरो अपन संगी बसिवासी के संग कोनो बविाद हवय,

त ओह अबसिवासीमन करा नियाय बर जाय के हमिमत कइसने करथे; एकर बनसिपत कि ओह संतमन (बसिवासीमन) ले ए झगरा के नपिटारा करवाय? 2का तुमन नई जानव कि परमेसर के मनखेमन संसार के नियाय करहीं? अऊ जबकि तुमन ला संसार के नियाय करना हवय, त का तुमन छोटे-छोटे झगरा के नपिटारा करे के लइक नो हव? 3का तुमन नई जानव कि हमन स्वरगदूतमन के नियाय करबो? त ए जनिगी के समसूया ला तुमन ला असानी से नपिटाना चाही। 4एकरसेति, यदी तुम्हर बीच म अइसने बविाद हवय, त तुमन नियाय करइया के रूप म ओमन ला ठहरावव, जऊन मन कलीसिया म कम महत्व के समझे जाथें। 5मेंह ए बात एकरसेति कहथंय कि तुमन ला कुछ तो सरम होवय। का ए हालत हो गे हवय कि तुम्हर बीच म अइसने कोनो बुद्धिमान मनखे नई ए, जऊन ह बसिवासी भाईमन म झगरा के नपिटारा कर सकय? 6पर एकर बदले एक भाई ह दूसर भाई के बरिध म अदालत जाथे अऊ अबसिवासीमन एकर नियाय करथें।

7तुम्हर बीच म मुकदमा होथे; एकर मतलब ए अय कि तुमन पूरा-पूरी हार मान ले हवव। तुमन खुद अनियाय काबर नई सहव? तुमन खुद हानिकाबर नई उठावव? 8एकर बदले कि तुमन खुद अनियाय करथव अऊ हानि पहुंचाथव, अऊ ओ भी अपन भाईमन ला।

9का तुमन नई जानव कि दुसट मनखेमन परमेसर के राज के वारसि नई हो सकय? धोखा झन खावव। न तो छिनारी करइया, न मूर्ती-पूजा करइया, न दूसर के माईलोगन संग बेभिचार करइया, न पुरूस बेसूया, न संगी-बेभिचारी, 10न चोर, न लोभी, न मतवाल, न बदनामी करइया अऊ न तो धोखेबाजमन परमेसर के राज के वारसि होहीं। 11तुमन ले कुछ मनखेमन अइसने रहिनि। पर परभू यीसू मसीह के नांव म अऊ हमर परमेसर के आतमा के दुवारा तुमन ला धोय गे हवय, तुमन ला पाप ले सुध करे गे हवय अऊ तुमन ला धरमी ठहराय गे हवय।

बेभचार

12“मोला कुछ भी चीज करे के अनुमती हवय”—पर हर चीज ह लाभ के नो हय। “मोला कुछ भी चीज करे के अनुमती हवय”—पर मेंह कोनो भी चीज के गुलाम नई बनव। 13“भोजन ह पेट खातरि अऊ पेट ह भोजन खातरि अय”—पर परमेसर ह ए दूनों ला नास करही। देहें ह बेभचार करे बर नो हय, पर परभू के सेवा करे बर अय अऊ परभू ह देहें के खयाल रखथे। 14परमेसर ह अपन सामरथ ले परभू ला मरे म ले जयाईस, अऊ ओह हमन ला घलो जयाही। 15का तुमन नई जानव कि तुम्हर देहें ह मसीह के अंग ए? त का मेंह मसीह के अंग ला लेके बेसूया के संग जोड़व? अइसने कभू नई होवय। 16का तुमन नई जानव कि जऊन ह अपन-आप ला एक बेसूया के संग जोड़थे, ओह ओकर संग म एकेच तन हो जाथे? काबरका परमेसर के बचन ह कहथि, “ओ दूनों एक तन हो जाहीं।” 17पर जऊन ह अपन-आप ला परभू के संग जोड़थे, ओह ओकर संग आत्मा म एक हो जाथे।

18एकरसेता छिनारी ले दूर रहव। आने जम्मो पाप जऊन ला मनखे ह करथे, ओह ओकर देहें के बाहरि होथे, पर जऊन ह छिनारी करथे, ओह अपन खुद के देहें के बरिध म पाप करथे। 19का तुमन नई जानव कि तुम्हर देहें ह पबतिर आत्मा के मंदरि ए, जऊन ह तुमन म रहथि अऊ जऊन ला परमेसर ह तुमन ला दे हवय? तुमन अपन खुद के नो हव। 20परमेसर ह दाम देके तुमन ला बसोय हवय। एकरसेता, अपन देहें के दुवारा परमेसर के आदर करव।

बहिाव

7 अब मेंह ओ बातमन ला लिखत हंव, जेकर बारे म तुमन अपन चिट्ठी म पुछे हवव। यदा कोनो मनखे ह बहिाव नई करय, त एह ओकर बर बने बात ए। 2पर छिनारी ले बचे बर, हर एक मनखे के अपन घरवाली अऊ हर एक माईलोगन के अपन घरवाला होवय। 3घरवाला ह अपन घरवाली

के बहिाव हक ला पूरा करय, अऊ वइसने घरवाली ह अपन घरवाला के हक ला पूरा करय। 4घरवाली के देहें ह सरिपि ओकर अपन के नो हय, फेर एह ओकर घरवाला के घलो अय। ओही किसिम ले घरवाला के देहें ह सरिपि ओकर अपन के ही नो हय, फेर एह ओकर घरवाली के घलो अय। 5एक-दूसर के बहिाव हक ला झन मारव, पर सरिपि एक-दूसर के सहमती ले कुछ समय बर सारीरिक संबंध ला बंद रखव, ताकि तुमन अपन ओ समय ला पराथना म बतिा सकव। तब फेर एक संग हो जावव ताकि तुम्हर धीरज म कमी के कारन, सैतान ह तुमन ला झन परख सकय। 6मेंह ए बात तुम्हर भलाई खातरि कहथंव; एह हुकूम नो हय। 7मेंह चाहथंव कि जइसने मेंह हंवव, वइसने जम्मो मनखेमन रहंय। पर परमेसर ह हर एक मनखे ला अलग-अलग बरदान दे हवय; कोनो ला ए बरदान, त कोनो ला ओ बरदान।

8पर मेंह अबिवाहित अऊ बधिवा मन ला ए कहथंव कि एह ओमन बर बने अय कि ओमन मोर सहीं अबिवाहित रहंय। 9पर कहूं ओमन अपन-आप ला समहाल नई सकंय, त ओमन ला बहिाव कर लेना चाही, काबरका कामातुर रहे के बदले बहिाव कर लेना उचित ए।

10सादी-सुदा मनखेमन ला मेंह ए हुकूम देवत हंव (मेंह नई, पर परभू ह हुकूम देवत हवय) कि घरवाली ह अपन घरवाला ला झन छोड़य। 11पर यदा ओह अपन घरवाला ला छोड़ देथे, त ओह दूसर सादी झन करय या फेर ओह अपन घरवाला ले फेर मेल-मिलाप कर ले। अऊ घरवाला ह अपन घरवाली ला झन छोड़य।

12बाकि मनखेमन ला परभू ह नई, पर मेंह कहथंव कि यदा कोनो भाई के घरवाली ह परभू ऊपर बसिवास नई करय, पर ओह ओ भाई के संग रहे चाहथे, त ओ भाई ह ओला झन छोड़य। 13अऊ यदा कोनो माईलोगन के घरवाला ह परभू ऊपर बसिवास नई करय, पर ओह ओ माईलोगन के संग रहे चाहथे, त ओ माईलोगन ह ओला झन छोड़य।

14काबरका जऊन घरवाला ह परभू के ऊपर बसिवास नई करय, ओह अपन बसिवासी घरवाली के जरयि पबतिर हो जाथे, अऊ जऊन घरवाली ह परभू ऊपर बसिवास नई करय, ओह अपन बसिवासी घरवाला के जरयि पबतिर हो जाथे। नई तो तुम्हर लइकामन असुध होतनि, पर अब ओमन पबतिर हवयंb।

15पर जऊन मनखे ह परभू के ऊपर बसिवास नई करय, यदा ओह छोंड़के चल देथे, त ओला जावन दव। अइसने दसा म बसिवासी मनखे या माईलोगन ऊपर कोनो बंधन नई ए। परमेसर ह हमन ला सांती से रहे बर बलाय हवय। 16हे घरवाली, तेंह का जानथस कि तेंह अपन घरवाला के उद्धार करा लेबे? या हे घरवाला, तेंह का जानथस कि तेंह अपन घरवाली के उद्धार करा लेबे?

17हर एक मनखे ह जनिगी म वइसने ही चलय, जइसने परभू ह ओला दे हवय अऊ जेकरसेती परमेसर ह ओला बलाय हवय। एहीच नयिम ला मेंह जम्मो कलीसिया म बताथंव। 18परमेसर के बलाय के पहिली जेकर खतना हो गे रहिसि, ओह खतनारहति झन बनय; अऊ परमेसर के बलाय के पहिली जेकर खतना नई होय रहिसि, ओह खतना झन करावय। 19न तो खतना ह कुछू अय अऊ न ही खतनारहति; पर परमेसर के हुकूम ला मानना ही जम्मो कुछू अय। 20हर एक मनखे ला ओहीच दसा म रहना चाही, जऊन दसा म, ओह परमेसर के बलाय के बेरा म रहिसि। 21यदा तेंह गुलाम रहय, जब परमेसर ह तोला बलाईस, त एकर फकिर झन कर। पर यदा तेंह गुलामी ले छुटकारा पा सकथस, त ओकर उपाय कर। 22काबरका जऊन ला परभू ह ओकर गुलामी के दसा म बलाईस, ओह परभू के दुवारा सुतंतर करे गे मनखे अय। ओहीच कसिम ले जऊन ला सुतंतर दसा म बलाय गीस, ओह मसीह के गुलाम ए। 23दाम देके तुमन ला बसियो गे हवय; मनखेमन के गुलाम झन बनव। 24हे भाईमन हो, हर एक मनखे परमेसर के संग ओ दसा म रहय, जऊन दसा म ओला बलाय गे रहिसि।

25कुवारीमन के बारे म, मोला परभू ले कोनो हुकूम नई मलि हवय, पर परभू के दया ले एक बसिवासयोग्य मनखे के रूप म, मेंह अपन बचार ला बतावत हंव। 26अभी के संकट के कारन मेंह सोचथंव कि तुम्हर बर एह बने होही कि जइसने तुमन हवव, वइसने रहव। 27कहूं तुमन सादी-सुदा अव, त अपन घरवाली ला छोंड़े के कोससि झन करव, अऊ कहूं तुमन बहाव नई करे हवव, त बहाव करे के बारे म झन सोचव। 28पर कहूं तुमन बहाव करथव, त एह पाप नो हय; अऊ कहूं कोनो कुवारी ह बहाव करथे, त ओह पाप नो हय। पर जऊन मन बहाव करथे, ओमन ए जनिगी म बहुत समस्या म पड़हीं, अऊ मेंह तुमन ला ए समस्या ले बचाय चाहथंव।

29हे भाईमन हो, मोर कहे के मतलब ए अय कि जादा समय नई ए। एकरसेती अब ले, जऊन मन सादी-सुदा अय, ओमन अइसने रहय जइसने कि ओमन के सादी नई होय रहिसि। 30जऊन मन दुःख मनाथें; ओमन अइसने रहय, जइसने ओमन ला कोनो दुःख नई रहिसि। जऊन मन खुस हवय, ओमन अइसने रहय जइसने ओमन खुस नई रहिनि। जऊन मन कुछू बसिथें, ओमन अइसने देखावय जइसने कि ओ सामान ह ओमन के नो हय। 31जऊन मन संसार के चीजमन के उपयोग करथें, ओमन अइसने रहय जइसने कि ओमन ए चीजमन म मगन नई रहिनि। काबरका ए संसार अभी जऊन दसा हवय, ओह बदलत जावत हवय।

32में चाहथंव कि तुमन कोनो कसिम के चंति झन करव। जेकर बहाव नई होय हवय, ओह परभू के काम के फकिर म रहथि कि ओह परभू ला कइसने खुस करय। 33पर एक सादी-सुदा मनखे, ए संसार के काम के फकिर म रहथि कि ओह अपन घरवाली ला कइसने खुस रखय; 34अऊ ओकर मन ह एती-ओती होवत रहथि। जऊन माईलोगन के बहाव नई होय हवय, ओह या एक कुवारी ह परभू के काम के फकिर म रहथि। ओकर उदेस्य ए रहथि कि ओह अपन देहें अऊ

आतमा दूसों के दुवारा परभू के सेवा म लगे रहय। पर सादी-सुदा माईलौगन ह ए संसार के काम के फकिर म रहथि की ओह अपन घरवाला ला कइसने खुस रखय। 35मेंह ए बात तुम्हर भलाई खातिर कहथंव, तुमन म बंधना डाले बर नई। मेंह चाहथंव की तुमन सही अऊ बने काम करव अऊ अपन हरिदय ला बगिर एती-ओती लगाय, पूरा-पूरी अपन-आप ला परभू के सेवा म दे दव।

36यदी काकरो मंगनी हो गे हवय अऊ ओकर हाव-भाव ह ओ टूरी के प्रतीति नई ए, अऊ यदी ओ टूरी के जवानी ह ढरत जावथे अऊ ओ मनखे ह महसूस करथे की ओला बहिाव कर लेना चाही, त ओला अइसनेच करना चाही। एह पाप नो हय। ओमन ला बहिाव कर लेना चाही। 37पर ओ मनखे जऊन ह अपन मन म पक्का बचिार कर ले हवय, अऊ ओला जरूरत नई ए, अऊ ओह अपन ईछा ला काबू म रखथे, अऊ ओह अपन मन म ठान ले हवय की ओह लड़की ले अभी बहिाव नई करय, त ए मनखे घलो सही काम करथे। 38एकरसेती, जऊन ह टूरी ले बहिाव करथे, ओह बने करथे, पर जऊन ह टूरी ले बहिाव नई करय, ओह अऊ घलो बने करथे।

39जब तक कोनो माईलौगन के घरवाला ह जीयत हवय, तब तक ओह ओकर ले बंधे हवय। पर यदी ओकर घरवाला ह मर जावय, त ओह जेकर ले चाहय, ओकर ले बहिाव करे बर सुतंतर ए, पर ओह परभू के ही मनखे होना चाही। 40मोर बचिार म, ओह जादा खुस रहीी, यदी ओह जइसने हवय वइसनेच रहय, अऊ में सोचथंव की परमेसर के आतमा ह मोर म हवय।

मूरती म चघाय गे भोजन

8 अब मूरतीमन ला चघाय गे चीजमन के बारे म: हमन जानथन की हमन जम्मो इन करा गियान हवय। गियान ह घमंड ला लाथे, पर मया के दुवारा बढ़ती होथे। 2यदी कोनो सोचथे की ओह कुछ जानथे, त ओला जइसने जानना चाही, ओह अभी तक ले नई

जानथे। 3पर जऊन ह परमेसर ले मया करथे, ओला परमेसर ह जानथे।

4एकरसेती, मूरतीमन ला चघाय गे चीज ला खाय के बारे म: हमन जानथन की संसार म मूरती के कोनो सच्ची नई ए, अऊ एके इन परमेसर ला छोड़के अऊ कोनो परमेसर नई ए। 5हालाकी अकास म या धरती ऊपर बहुते मन देवता कहाथें (अऊ वास्तव म ए कसिम के बहुते “देवता” अऊ बहुते “परभू” हवय), 6पर हमर बर तो सरिपि एकेच परमेसर हवय याने की ददा परमेसर जऊन ह जम्मो चीज ला बनाईस अऊ जेकर बर हमन जीयत हवन; अऊ सरिपि एकेच परभू हवय याने की यीसू मसीह जेकर जरथि जम्मो चीजमन बनाय गीन अऊ जेकर जरथि हमन जीयत हवन।

7पर हर एक इन ए बात ला नई जानय। कुछ मनखेमन ला मूरतीमन के अइसने आदत हो गे हवय की जब ओमन ए कसिम के खाना ला खाथें, त एला मूरती ला चघाय गे खाना समझथें, अऊ ओमन के बविक ह कमजोर होय के कारन एह असुध ठहरथे। 8खाना ह हमन ला परमेसर के लकठा म नई लानय। यदी हमन एला नई खाथन, त कोनो नुकसान नई होवय, अऊ यदी खाथन, त कुछ फायदा नई होवय।

9सचेत रहव, ताकी तुम्हर ए सुतंतरता ह बसिवास म कमजोर मनखे के पाप म गरि के कारन इन बनय। 10तुमन ला मूरती के मंदिर म खाय के बारे म गियान हवय, पर यदी कोनो कमजोर बविक वाला तुमन ला उहां खावत देखथे, त का ओह मूरती ला चघाय खाना ला खाय बर उत्साहित नई होही। 11ए कसिम ले, ए भाई ह जेकर बविक ह कमजोर हवय अऊ जेकर बर मसीह ह मरसि, ओह तुम्हर गियान के कारन नास हो जाही। 12जब तुमन ए कसिम ले अपन भाई के बरिध म पाप करथव अऊ ओमन के कमजोर बविक ला चोट पहुंचाथव, त तुमन मसीह के बरिध म पाप करथव। 13एकरसेती, यदी मोर कुछ खाय के कारन मोर भाई ह पाप म गरिथे, त

मेंह मांस ला फेर कभू नई खावंव ताका मेंह ओकर पाप म गरि के कारन झन बनंव।

प्रेरति के अधिकार

9 का मेंह सुतंतर नई अंव? का मेंह प्रेरति नो हंव? का मेंह हमर परभू यीसू ला नई देखे हवंव? का तुमन परभू म मोर काम के फर नो हंव? 2 भले ही मेंह आने मन बर प्रेरति नो हंव, पर तुम्हर बर तो प्रेरति अंव। काबरका एक प्रेरति के रूप म मेंह जऊन काम, परभू म करे हवंव, तुमन ओकर छाप अव।

3 जऊन मन मोला परखत हवंय, ओमन बर मोर ए जबाब अय। 4 का हमन ला खाय-पीये के अधिकार नई ए? 5 का हमन ला ए अधिकार नई ए कि कोनो बसिवासी बहर्नी ले बहिाव करके, ओला अपन संग यातरा म लेके चलन, जइसने का आने प्रेरति अऊ पतरस (कैफा) अऊ परभू के भाईमन करत हवंय। 6 या फेर सरिपि मोर अऊ बरनबास बर ए जरूरी अय कि हमन अपन भरन-पोसन बर काम करन।

7 कोन ह अपन खुद के खरचा ले सेना म सैनिक के काम करथे? कोन ह अंगूर के बारी लगाथे अऊ ओकर अंगूर ला नई खावय? कोन ह पसुमन के देख-रेख करथे अऊ ओमन के गोरस नई पीयय? 8 का मेंह ए बात सरिपि मनखे के सोच के मुताबिक कहथंव? का मूसा के कानून घलो एहीच बात नई कहय? 9 काबरका मूसा के कानून म ए लिखे हवय: “दंऊरी म चलत बइला के मुहू ला झन बांध।” का एह बइला ए, जेकर बारे म परमेसर ह फकिर करथे? 10 का ओह हमर बारे म नई कहत हवय? नसिचित रूप ले, एह हमर बर लिखे गे हवय, काबरका नांगर जोतइया अऊ दंऊरी चलइया मन ला, ए आसा म अपन काम ला करना चाही कि ओमन ला फसल के बांटा मलिही। 11 यदि हमन तुम्हर बीच म आतमिक बीज बोय हवन, अऊ तुम्हर ले संसारिक मदद लेथन, त का एह जादाती ए? 12 यदि आने मन तुम्हर

ले ए मदद लेय के अधिकार रखथें, त का हमर अऊ घलो जादा हक नई बनय?

पर हमन ए अधिकार के उपयोग नई करेन। एकर बदले, हमन जम्मो बात ला सहे हवन ताका हमन मसीह के सुघर संदेस के परचार म कोनो बाधा झन होवन। 13 का तुमन नई जानव कि जऊन मन मंदिर म काम करथें, ओमन ला मंदिर म ले खाना मलिथे, अऊ जऊन मन बेदी म सेवा करथें, ओमन ला बेदी म चघाय गे चीज म ले बांटा मलिथे? 14 ओहीच किसिम ले, परभू ह हुकूम दे हवय कि जऊन मन सुघर संदेस के परचार करथें, ओमन के भरन-पोसन सुघर संदेस म ले होवय।

15 पर मेंह एम ले कोनो भी अधिकार के उपयोग नई करेव। अऊ मोर लिखे के ए मतलब नो हय कि तुमन मोर बर अइसने करव। काबरका मेंह मर जाना पसंद करहुं, एकर बनसिपत कि कोनो मोर ए घमंड ला बेकार समझय। 16 तभो ले जब मेंह सुघर संदेस के परचार करथंव, त एह मोर बर कुछ घमंड के बात नो हय, काबरका परचार करे बर, मेंह बाध्य अंव। यदि मेंह सुघर संदेस के परचार नई करंव, त मोर ऊपर धक्का ए। 17 यदि मेंह अपन ईछा ले परचार करथंव, त मोर बर एक इनाम रखे हवय; पर यदि मेंह अपन ईछा ले एला नई करंव, त मेंह सरिपि ओ जम्मेदारी ला पूरा करत हंव, जऊन ला परभू ह मोला सऊपे हवय। 18 तब का ए मोर इनाम? सरिपि ए कि मेंह सुघर संदेस के परचार मुफत म करंव, अऊ एकर परचार करे म अपन अधिकार के उपयोग नई करंव।

19 हालाकि मेंह कोनो मनखे के अधीन म नई अंव, तभो ले मेंह अपन-आप ला हर एक जन के दास बनाथंव, ताका जादा से जादा मनखेमन ला मेंह परभू बर जीत सकंव। 20 यहूदीमन बर मेंह यहूदी सही बन गेव, ताका यहूदीमन ला जीत सकंव। जऊन मन मूसा के कानून के अधीन म हवंय, ओमन बर मेंह मूसा के कानून के अधीन म रहे सही बनेव (हालाकि मेंह कानून के अधीन नई अंव), ताका जऊन मन मूसा के कानून के

अधीन म हवयं, ओमन ला परभू बर जीत सकंव। 21 जेमन करा मूसा के कानून नई ए याने की आनजातमन बर, मेंह आनजात सहीं बन गेवं ताकी मेंह आनजातमन ला परभू बर जीत सकंव। एकर मतलब ए नो हय की मेंह परमेसर के कानून ला नई मानंव; मेंह मसीह के कानून के अधीन म हवंव। 22 बसिवास म कमजोर मनखेमन बर, मेंह कमजोर बनेंव, ताकी कमजोर मनखेमन ला परभू बर जीत सकंव। मेंह जम्मो मनखे बर जम्मो कुछू बनेंव, ताकी कोनो भी कसिम ले ओम के कुछू मनखे के उद्धार करा सकंव। 23 मेंह सुघर संदेस के हति म, ए जम्मो काम करथं ताकी एकर आससि म भागीदार हो सकंव।

24 का तुमन नई जानव की दऊड़ म जम्मो झन दऊड़थें, पर सरिपि एके झन ला इनाम मलिथे? एकरसेती अइसने दऊड़व की तुमन ला इनाम मलिय। 25 हर खिलाड़ी ह सखि के समय म अपन-आप ला बहुंत अनुसासन म रखथे। ओमन एक नासमान मुकुट ला पाय बर, अइसने करथें, पर हमन तो ओ मुकुट ला पाय बर काम करथन, जऊन ह सदाकाल तक रहिही। 26 एकरसेती, मेंह ओ मनखे सहीं नई दऊड़व, जऊन ह बगिर कोनो उदेस्य के दऊड़थें; मेंह ओ मनखे सहीं नई लड़व, जऊन ह हवा म मुक्का मारथे। 27 पर मेंह अपन देहें ला तकलीफ देथं अऊ एला अपन बस म रखथं, ताकी आने मन ला परचार करे के बाद, मेंह खुद इनाम ले बंचति झन होवं।

इसरायल के इतिहास ले चेतउनी

10 हे भाईमन हो, मेंह नई चाहत हंव की तुमन ए बात ले अनजान रहव की हमर पुरखामन बादर के छइहां म रहिनि अऊ ओ जम्मो झन समुंदर के बीच म ले पार हो गीन। 2 मूसा के पाछू चलइया के रूप म, ओमन बादर म अऊ समुंदर म बतसिमा लीन। 3 ओ जम्मो झन एकेच आतमकि भोजन करनि; 4 अऊ जम्मो झन एकेच आतमकि पानी ला पीईन; काबरकी ओमन ओ आतमकि चट्टान म ले पीयत रहिनि, जऊन ह ओमन के संगे-संग चलत रहिसि

अऊ ओ चट्टान ह मसीह रहिसि। 5 तभो ले परमेसर ह ओम के जादातर मनखेमन ले खुस नई रहिसि, एकरसेती ओमन सुनसान जगह म एती-ओती होके मर गीन।

6 ए बातमन हमर बर एक चेतउनी के रूप म अय, ताकी हमन, ओमन सहीं अपन मन ला खराप बात म झन लगावन। 7 मूर्ती पूजा झन करव, जइसने की ओम के कुछू मनखेमन करनि। परमेसर के बचन म लिखे हवय: “मनखेमन खाय-पीये बर बईठनि अऊ नाचे बर ठाढ़ होईन।” 8 हमन छिनारी झन करन जइसने की ओम के कुछू मनखेमन करनि अऊ एके दिन म ओम ले तेइस हजार मनखे मर गीन। 9 हमन परभू ला झन परखन, जइसने की ओम के कुछू मनखेमन करनि अऊ सांपमन के चाबे ले मर गीन। 10 तुमन झन कुड़कुड़ाव जइसने की ओम के कुछू मनखेमन करनि अऊ नास करइया स्वरगदूत के दुवारा मारे गीन।

11 जऊन बातमन ओमन के ऊपर होईस ओह उदाहरन के रूप म रहिसि अऊ ओ बातमन ला हमर बर चेतउनी के रूप म लिखे गीस, काबरकी हमन ओ जुग म रहत हवन, जब संसार के अंत होवइया हवय। 12 एकरसेती, यदी तुमन ए सोचथं की तुमन बसिवास म मजबूत हवव, त सचेत रहव, ताकी तुमन पाप म झन पड़व। 13 तुमन कोनो अइसने परछिा म नई पड़े हवव, जऊन ह मनखे के सहे के बाहरि ए। परमेसर ह बसिवासयोग्य अय अऊ ओह तुमन ला तुम्हर सकृती ले बाहरि परछिा म पड़न नई देवय। पर जब तुमन परछिा म पड़ जावव, त ओह तुमन ला परछिा ले बाहरि नकिरे के उपाय घलो बताही, ताकी तुमन ओला सह सकव।

मूर्ती-पूजा अऊ परभू भोज

14 एकरसेती, हे मोर मयारू संगीमन हो! मूर्ती पूजा ले दूरिा रहव। 15 मेंह तुमन ला बुद्धिमान मनखे जानके कहथं; जऊन बात मेंह कहथं, ओला तुमन खुदे परखव। 16 ओ धनबाद के कटोरा, जेकर बर हमन परमेसर

ला धनबाद देथन, का एह मसीह के लहू म भागीदारी नो हय? अऊ जऊन रोटी ला हमन टोरथन, का एह मसीह के देहें म भागीदारी नो हय? 17काबरकी एकेच रोटी ए; हमन हालाकी बहुत इन हवन, पर हमन एकेच देहें अन, काबरकी हमन जम्मो इन ओ एकेच रोटी म भागी होथन।

18इसरायली मनखेमन ला देखव: जऊन मन बलदान म चघाय गे चीज ला खाथें, का ओमन बेदी म भागी नई होवय? 19तब मोर कहे के का मतलब ए? का मूरती ला चघाय बलदान ह कुछू ए, या मूरती ह कुछू ए? 20कुछू घलो नई। पर में कहथं का आनजातमन जऊन बलदान चघाथें, ओमन परेत आतमामन ला चघाथें, परमेसर ला नई, अऊ में नई चाहं का तुमन परेत आतमामन के संग भागीदार होवव। 21तुमन परभू के कटोरा अऊ परेत आतमामन के कटोरा, दूनों म ले नई पी सकव। तुमन परभू के भोज अऊ परेत आतमामन के भोज, दूनों म सामिल नई हो सकव। 22का हमन परमेसर ला गुस्सा देवाथन? का हमन ओकर ले जादा बलवान अन?

बसिवासी के सुतंतरता

23“हमन ला हर चीज करे के अनुमती हवय”—पर हर चीज ह लाभ के नो हय। “हमन ला हर चीज करे के अनुमती हवय”—पर हर चीज ले उन्नति नई होवय। 24हमन ला सरिपि अपन भलाई ही नई, पर आने मन के भलाई घलो देखना चाही।

25बजार म जऊन मांस बकिथे, ओला खावव अऊ बविक के कारन कोनो सवाल इन पुछव, 26काबरकी परमेसर के बचन ह कहथि, “धरती अऊ एम के हर एक चीज परभू के अय।”

27यदि कोनो अबसिवासी तुमन ला खाव बर बलाथे, अऊ तुमन जाय बर चाहथव, त जऊन कुछू तुम्हर आघू म परोसे जाथे, ओला खावव अऊ बविक के कारन कोनो सवाल इन पुछव। 28पर यदि कोनो तुमन ला बता देथे कि एह बलदान म चघाय गे खाना

अय; त ओ बतइया के सेर्ति अऊ बविक के सेर्ति, ओ खाना ला इन खावव। 29मोर कहे के मतलब तुम्हर बविक नई, पर आने मनखे के बविक। काबरकी मोर सुतंतरता ह आने मनखे के बविक दुवारा काबर परखे जावय? 30यदि में परमेसर ला धनबाद देके ओ खाना म सामिल होथं, त ओकर बर मोर ऊपर काबर दोस लगना चाही?

31एकरसेर्ति, चाहे तुमन खावव या पीयव या जऊन कुछू घलो करव, ए जम्मो काम परमेसर के महिमा बर करव। 32तुमन काकरो पाप म गरि के कारन इन बनव, चाहे ओह यहूदी होवय या यूनानी होवय या परमेसर के कलीसिया। 33जऊन कुछू में करथं, ओकर दुवारा में हर एक मनखे ला खुस रखे के कोसिस करथं। काबरकी में अपन खुद के भलाई नई, पर बहुते इन के भलाई ला देखथं का ओमन उद्धार पावय।

11 मोर चाल-चलन के नकल करव, जइसने में मसीह के चाल-चलन के नकल करथं।

अराधना कइसने होना चाही

2मेंह तुम्हर परसंसा करत हं बर काबरकी तुमन हर एक बात म मोला सुरता करथव अऊ जऊन बात मेंह तुमन ला सखोय रहें, ओकर मुताबिक चलथव।

3अब मेंह चाहथं का तुमन ए बात ला जान लेवव कि हर आदमी के मुड़ ह मसीह ए, अऊ माईलोगन के मुड़ ह ओकर घरवाला ए अऊ मसीह के मुड़ ह परमेसर ए। 4ओ मनखे जऊन ह अपन मुड़ ला ढांक के पराथना या अगमबानी करथे, ओह अपन मुड़ के अपमान करथे। 5अऊ ओ माईलोगन जऊन ह अपन मुड़ ला बगिर ढांक के पराथना या अगमबानी करथे, ओह अपन मुड़ के अपमान करथे—ए बात ह अइसने अय मानो ओह अपन बाल ला मुड़वा ले हवय। 6यदि कोनो माईलोगन अपन मुड़ ला नई ढांकय, त ओला अपन मुड़ ला मुड़वा लेना चाही; अऊ यदि माईलोगन बर ओकर बाल कटई या बाल मुड़वाई कलंक के बात ए, त ओला अपन

मुड़ ढांकना चाही। 7आदमी ला अपन मुड़ नई ढांकना चाही, काबरकी ओह परमेसर के सरूप अऊ महिमा ए, पर माईलोगन ह आदमी के महिमा ए। 8आदमी ह माईलोगन ले बनाय नई गीस, पर माईलोगन ह आदमी ले बनाय गीस; 9अऊ आदमी ह माईलोगन बर बनाय नई गीस, पर माईलोगन ह आदमी बर बनाय गीस। 10एकरे कारन, अऊ स्वरगदूतमन के कारन, माईलोगन ला अपन मुड़ म अधिकार के चनिहां होना चाही।

11तभो ले परभू म न तो माईलोगन ह आदमी ले अलग अय अऊ न ही आदमी ह माईलोगन ले अलग अय। 12काबरकी जइसने माईलोगन ह आदमी ले बनाय गीस, वइसने आदमी ह घलो माईलोगन ले जनमे हवय। पर हर चीज परमेसर करा ले आथे। 13तुमन खुदे सोचव: का कोनो माईलोगन बर एह उचिति ए कि ओह बगिर मुड़ ढांके परमेसर ले पराथना करय? 14सुभावकि रूप ले का तुमन नई जानव की यदी कोनो आदमी ह लम्बा बाल रखथे, त एह ओकर बर कलंक के बात ए, 15पर यदी कोनो माईलोगन ह लम्बा बाल रखथे, त एह ओकर सोभा ए? काबरकी लम्बा बाल, ओला ढांके बर दयि गे हवय। 16यदी कोनो एकर बारे म बहस करे चाहथे, त मेंह सरिपि ए कह सकथव की न तो हमर अऊ न ही परमेसर के कलीसियामन के कोनो आने रीति-रिवाज हवय।

परभू भोज

17अब जऊन बात मेंह तुमन ला लिखत हवंव, ओम मेंह तुम्हर बड़ई नई करंव, काबरकी कलीसिया के सभा म तुमन भलाई करे के बदले जादा नुकसान करथव। 18पहिली बात, मेंह ए सुने हवंव कि जब तुमन एक कलीसिया के रूप म जूरथव, त तुम्हर बीच म दलबंदी दखिथे; अऊ मेंह ए बात ला कुछ हद तक बसिवास घलो करथव। 19एह जरूरी ए कि तुमन म दलबंदी होवय ताकि तुमन के बीच म जऊन मन सही अंय, ओमन के पहिचान होवय। 20जब तुमन एक संग जूरथव अऊ जऊन चीज ला

खाथव, ओह परभू भोज नो हय, 21काबरकी हर मनखे ह दूसर ला अगोरे बगिर खा लेथे। कोनो तो भूखन रहि जाथे अऊ कोनो मतवाल हो जाथे। 22खाय-पीये बर का तुम्हर घर नई ए? या फेर तुमन परमेसर के कलीसिया ला कुछ समझथव अऊ जऊन मन करा कुछ नई ए, ओमन के अपमान करथव। मेंह तुमन ला का कहंव? ए बात बर का मेंह तुम्हर बड़ई करंव? बलिकुल नई।

23काबरकी जऊन बात परभू ह मोला बताईस, ओला मेंह तुमन ला बता देंव: जऊन रतहिा परभू यीसू ला पकड़े गीस, ओ रतहिा ओह रोटी लीस 24अऊ परमेसर ला धनबाद देके ओला टोरसि अऊ कहिस, “एह मोर देहें अय, जऊन ह तुम्हर बर अय। मोर सुरता म एही करे करव।” 25खाना खाय के बाद, ओही किसिम ले परभू ह कटोरा ला लीस अऊ कहिस, “ए कटोरा ह मोर लहू म नवां करार ए; जब भी तुमन एला पीयव, त ए काम ला मोर सुरता म करे करव।” 26काबरकी जब भी तुमन ए रोटी ला खाथव अऊ ए कटोरा म ले पीथव, त तुमन परभू के मरितू के परचार तब तक करथव, जब तक कि ओह फेर नई आ जावय।

27एकरसेति, जऊन ह गलत ढंग ले परभू के रोटी ला खाथे या ओकर कटोरा म ले पीथे, त ओह परभू के देहें अऊ लहू के बरिोध म पाप करे के दोसी ठहरिथे। 28एकरसेति, हर एक इन रोटी ला खाय अऊ कटोरा म ले पीये के पहिली अपन-आप ला जांचय। 29काबरकी जऊन ह परभू के देहें के महत्व ला समझे बगिर, रोटी ला खाथे अऊ कटोरा म ले पीथे, ओह अपन ऊपर दंड लाथे। 30एकरे कारन तुमन ले कतको इन दुरबल अऊ बेमार पड़े हवय अऊ कतको इन तो मर घलो गे हवय। 31पर यदी हमन अपन-आप ला जांचबो, त हमन सजा के भागी नई होबो। 32जब परभू ह हमन ला जांचथे-परखथे, त ओह हमर ताड़ना करथे ताकि हमन संसार के मनखेमन संग दोसी इन ठहरिन।

33एकरसेति, हे मोर भाईमन हो, जब तुमन परभू भोज खाय बर जूरथव, त एक-

दूसर खातरि अगोरव। 34यर्दा कोनो ला भूख लगथे, त ओला घर म खा लेना चाही, ताकी जब तुमन जूरव, त ए बात ह दंड के कारन झन बनय।

अऊ जब मेंह आहूँ, त अऊ आने चीजमन के बारे म बताहूँ।

आतमकि बरदान

12 हे भाईमन हो, मेंह चाहथं व का तुमन ओ बरदानमन के बारे म जानव, जऊन ला पबतिर आतमा देखे। 2तुमन जानथव कजिब तुमन आनजात रहेव, त कोनो न कोनो कसिम ले तुमन मूर्तीमन के परभाव म रहेव अऊ ओमन के पाछू चलत रहेव, जऊन मन का गोठियाय नई सकय। 3एकरसेती, तुमन ए बात ला जान लेवव का जऊन ह परमेसर के आतमा म होके गोठियाथे, ओह ए नई कहय, “यीसू ह सरापति ए।” अऊ पबतिर आतमा के अगुवई के बगिर कोनो ए नई कह सकय, “यीसू ह परभू ए।”

4कतको कसिम के आतमकि बरदान हवय, पर एकेच पबतिर आतमा हवय, जऊन ह ए बरदान देखे। 5कतको कसिम के सेवा हवय, पर एकेच परभू ए, जेकर सेवा हमन करथन। 6काम करे के कतको तरिका हवय, पर एकेच परमेसर ह जम्मो काम ला करे के काबलि जम्मो मनखेमन ला बनाथे।

7हर एक मनखे ला जम्मो के भलाई करे बर पबतिर आतमा के बरदान दिये जाथे। 8एक झन ला पबतिर आतमा ह बुद्धीके बात देखे, त ओहीच आतमा ह दूसर ला गयान के बात देखे। 9कोनो ला ओहीच आतमा ह बसिवास, त कोनो ला ओहीच आतमा ले चंगा करे के बरदान मलिथे। 10कोनो ला चमतकार के काम करे के, त कोनो ला अगमबानी करे के, त कोनो ला आतमामन ला परखे के, त कोनो ला अनजान भासा म गोठियाय के अऊ कोनो ला अनजान भासामन के अनुवाद करे के बरदान मलिथे। 11ए जम्मो काम ला एकेच अऊ ओहीच पबतिर आतमा ह करथे अऊ ओह जइसने चाहथे, वइसने हर एक मनखे ला ए बरदान बांट देखे।

एक देहें अऊ बहुते अंग

12जइसने का देहें ह एक अय अऊ एकर बहुते अंग हवय, अऊ ए जम्मो अंग मलिके एकेच देहें बनथे। वइसनेच बात, मसीह के संग घलो अय। 13काबरका हमन जम्मो झन ला एकेच पबतिर आतमा के दुवारा, एकेच देहें होय बर बतसिमा मलिसि—चाहे ओमन यहूदी होवय या यूनानी, चाहे गुलाम होवय या सुतंतर मनखे; हमन जम्मो झन ला ओहीच पबतिर आतमा दिये गे हवय।

14देहें ह एक अंग ले नई, फेर बहुते अंग ले मलिके बने हवय। 15कहूँ गोड़ ह कहय, “मेंह हांथ नो हंव, एकरसेती मेंह देहें के नो हंव,” त एकर मतलब ए नई होवय का गोड़ ह देहें ले अलग हो जाथे। 16अऊ कहूँ कान ह कहय, “मेंह आंखी नो हंव, एकरसेती मेंह देहें के नो हंव,” त एकर मतलब ए नई होवय का कान ह देहें ले अलग हो जाथे। 17कहूँ जम्मो देहें ह एक ठन आंखी होतसि, त सुने के काम कइसने होतसि? यर्दा जम्मो देहें ह एक ठन कान होतसि, त फेर सुधे के काम कइसने होतसि? 18पर परमेसर ह जइसने उचित समझसि, वइसने हर अलग-अलग अंग ला देहें म रखसि। 19कहूँ ए जम्मो ह एके ठन अंग होतसि, त फेर देहें ह कहां होतसि? 20पर जइसने का अंग तो बहुते हवय, पर देहें ह एक अय।

21आंखी ह हांथ ला नई कहे सकय, “मोला तोर जरूरत नई ए।” अऊ मुड़ ह गोड़ ला नई कहे सकय, “मोला तोर जरूरत नई ए।” 22एकर उल्टा, देहें के जऊन अंगमन आने ले कमजोर दिखथें, ओमन ह बहुत जरूरी अंय, 23अऊ जऊन अंगमन ला हमन कम महत्व के समझथन, ओमन ला हमन जादा महत्व देथन। अऊ देहें के जऊन अंगमन जादा बने नई दिखय, हमन ओमन ला जादा धियान देथन, 24जबका हमर देहें के सुघर अंगमन ला जादा धियान देके जरूरत नई ए। पर परमेसर ह देहें के अंगमन ला एक संग जोड़े हवय, अऊ जऊन अंगमन कम महत्व के रहिनि, ओमन ला ओह जादा महत्व दे हवय, 25ताका देहें के अंगमन म फूट झन

पड़य, पर एकर अंगमन एक-दूसर बर बरोबर चिता करय। 26कहूँ एक अंग ह दुःख पाथे, त ओकर संग जम्मो अंगमन दुःख पाथे; अऊ कहूँ एक अंग के बड़ई होथे, त जम्मो अंगमन ओकर संग खुसी मनाथे।

27अब तुमन मसीह के देहें अव, अऊ तुमन के हर एक एकर अंग अय। 28अऊ परमेसर ह कलीसिया म अलग-अलग मनखेमन ला ठहरिय हवय: पहिली प्रेरतिमन ला, दूसरा अगमजानीमन ला, तीसरा गुरुमन, तब चमतकार के काम करइयामन, तब ओमन ला, जऊन मन करा चंगा करे के बरदान हवय, अऊ आने के मदद करइयामन, अऊ तब ओमन ला, जऊन मन ला सासन-परबंध करे के बरदान हवय अऊ आखरी म नाना कसिम के भासा बोलइयामन। 29का जम्मो झन प्रेरति अंय? का जम्मो झन अगमजानी अंय? का जम्मो झन गुरु अंय? का जम्मो झन चमतकार के काम करथे? 30का जम्मो झन करा चंगा करे के बरदान हवय? का जम्मो झन नाना कसिम के भासा म गोठियाथें? का जम्मो झन नाना कसिम के भासा के अनुवाद करथे। नई! 31पर तुमन बड़े ले बड़े बरदान पाय के धुन म रहव।

पर अब मेंह तुमन ला सबले उत्तम बात बतावत हंव।

मया

13 कहूँ मेंह मनखेमन अऊ स्वरगदूतमन के भासा म गोठियावंव, पर मया नई रखंव, त मेंह सरिपि टनटनावत घंटा या फेर झनझनावत झांझ (मंजीरा) सहीं अंव। 2कहूँ मोर करा अगमबानी करे के बरदान हवय, अऊ मेंह जम्मो भेद अऊ जम्मो गयान के बात ला समझथंव, अऊ कहूँ मोला इहां तक बसिवास हवय की मेंह पहाड़मन ला घलो हटा सकथंव; पर मया नई रखंव, त मेंह कुछूच नो हंव। 3कहूँ मेंह अपन जम्मो संपत्ती गरीबमन ला बांट देवंव अऊ अपन देहें ला जलाय बर दे देव; पर मया नई रखंव, त मोला कुछू फायदा नई।

4मया ह धीरज धरथे अऊ एह दयालु ए। मया ह जलन नई रखय, एह डींग नई मारय, अऊ एह घमंड नई करय। 5मया ह खराप बरताव नई करय; एह अपन खुद के भलाई नई देखय, एह जल्दी गुस्सा नई होवय; एह काकरो बात के बुरा नई मानय। 6मया ह कुकरम ले खुस नई होवय, पर सच बात ले खुस होथे। 7मया ह जम्मो बात ला सह लेथे, जम्मो बात ऊपर बसिवास करथे, जम्मो बात के आसा रखथे अऊ जम्मो बात म धीरज धरे रहथि।

8मया ह कभू खतम नई होवय। अगमबानी बंद हो जाही; आने-आने भासा म गोठियाई बंद हो जाही; गयान ह खतम हो जाही। 9काबरकी हमर गयान ह अधूरा हवय अऊ हमर अगमबानी ह अधूरा हवय, 10पर जब सर्वसद्धि आही, त अधूरा पन ह मटि जाही। 11जब मेंह लइका रहेव, त लइकामन सहीं गोठियावत रहेव, लइकामन सहीं सोचत रहेव, अऊ मोर समझ ह लइकामन सहीं रहिसि। पर जब मेंह सयाना हो गेव, त मेंह लइकापन के बात ला छोड़ देव।

12अभी हमन ला दरपन म धुंधला दखिथे, पर बाद म हमन आमने-सामने देखबो। अभी मेंह पूरा-पूरी नई जानत हंव, पर बाद म मेंह पूरा-पूरी जानहूँ, जइसने की परमेसर ह मोला पूरा-पूरी जान गे हवय।

13पर अब ए तीनों बचे हवय: बसिवास, आसा अऊ मया। पर ए तीनों म सबले बड़े मया ए।

अगमबानी अऊ अनजान भासा के बरदान

14 मया म चलव अऊ आतमकि बरदानमन के धुन म रहव, खास करके अगमबानी करे के बरदान पाय के धुन म रहव। 2कहूँ कोनो अनजान भासा म बोलथे, त ओह मनखेमन ले नई, पर परमेसर ले गोठियाथे, काबरकी ओकर बात ला कोनो नई समझय; ओह अपन आतमा म भेद के बात गोठियाथे। 3पर जऊन ह अगमबानी करथे, ओह मनखेमन ले ओमन के उन्नति, उत्साह अऊ सांति के बात करथे। 4जऊन ह

अनजान भासा म गोठियाथे, ओह अपन खुद के मदद करथे, पर जऊन ह अगमबानी करथे, ओह कलीसिया के उन्नति म मदद करथे। 5मेंह चाहथंव कि तुमन जम्मो झन अनजान भासा म गोठियावव, पर ओकर ले घलो जादा मेंह ए चाहथंव कि तुमन अगमबानी करव। काबरकि जऊन ह अनजान भासा म गोठियाथे, यदि ओह कलीसिया के उन्नति बर अनुवाद नई करय, त फेर अगमबानी करइया के महत्व ओकर ले बढ़ के ए।

6एकरसेति, हे भाईमन हो, कहूं मेंह तुम्हर करा आके अनजान भासामन म गोठियावव, अऊ तुम्हर ले नवां बात, या गयान या अगमबानी या उपदेस के बात नई करव, त फेर मोर ले तुमन ला का फायदा होही? 7एहीच किसिम ले ओ नरिजीव बाजामन, जेमन ले अवाज नकिरथे, जइसने कि बांसुरी या बीना; यदि एमन के स्वर म फरक नई ए, त कोनो कइसने जानही कि का बाजा ह बजत हवय? 8अऊ यदि बगिल के अवाज ह साफ सुनई नई देवय, त फेर कोन ह लड़ई बर तयार होही? 9वइसनेच बात, तुम्हर संग घलो अय। यदि तुमन साफ-साफ बात नई कहथिव, त फेर कोनो कइसने जानही कि तुमन का गोठियावत हव? तुमन तो हवा ले बात करइया होहू। 10संसार म कतको किसिम के भासा हवय; पर ओम के कोनो घलो भासा बगिर अर्थ के नई ए। 11यदि कोनो गोठियावत हवय अऊ मेंह ओकर भासा ला नई समझत हवंव, त मेंह ओकर नजर म परदेसी ठहरहूं अऊ ओह मोर नजर म परदेसी ठहरही। 12वइसनेच बात तुम्हर संग घलो अय। जब तुमन आतमिक बरदान के धुन म हवय, त ए कोससि करव कि ए बरदानमन के जादा से जादा उपयोग कलीसिया के उन्नति बर होवय।

13एकरे कारन, जऊन मनखे ह अनजान भासा बोलथे, त ओला पराथना करना चाही कि ओह ओ भासा के अर्थ घलो बता सकय। 14काबरकि यदि मेंह अनजान भासा म पराथना करथंव, त मोर आतमा ह पराथना करथे, पर मोर बुद्धि के एम कोनो

काम नई ए। 15तब मोला का करना चाही? मेंह अपन आतमा ले पराथना करहूं, पर मेंह अपन बुद्धि ले घलो पराथना करहूं; मेंह अपन आतमा ले गीत गाहूं, पर मेंह अपन बुद्धि ले घलो गीत गाहूं। 16यदि तुमन अपन आतमा म परमेसर के इसतुति करत हव, त जऊन ह तुम्हर भासा ला नई समझय, ओह तुम्हर धनबाद के बात म कइसने “आमीन” कहिही, काबरकि ओह नई जानय कि तुमन का कहत हवव? 17तुमन तो परमेसर ला बने करके धनबाद देवत होहू, पर एकर ले आने मनखे ला कोनो फायदा नई होवय।

18मेंह परमेसर के धनबाद करथंव कि मेंह तुमन जम्मो झन ले अधिक अनजान भासामन म गोठियाथंव। 19पर कलीसिया म, अनजान भासा म दस हजार सबद कहे के बदले, आने मन ला सखियो बर, मेंह समझ म अवइया पांच सबद कहना जादा बने समझथंव।

20हे भाईमन हो, अपन सोच-समझ म, लइकामन सही झन बनव। बुरई के बात म छोटे लइका सही बने रहव, पर अपन सोच-समझ म सयान बनव। 21मूसा के कानून म लिखे हवय:

“परभू ह कहथि,
‘अनजान भासा बोलइया मनखे के
जरयि अऊ
परदेसी मनखेमन के जरयि
मेंह मनखेमन ले गोठियाहूं।’”

22अनजान भासा ह बसिवासीमन बर नई, पर अबसिवासीमन बर एक चनिहां अय, जबकि अगमबानी ह अबसिवासीमन बर नई, पर बसिवासीमन बर चनिहां ए। 23एकरसेति कहूं जम्मो कलीसिया एक जगह जुरथे अऊ हर एक जन अनजान भासा म गोठियाय लगथे; तब कहूं कुछू बाहरि के मनखे या फेर कुछू अबसिवासी मनखे उहां आथें, त का ओमन ए नई कहिहीं कि तुम्हर दमाग ह खराप हो गे हवय? 24पर यदि जम्मो झन अगमबानी करे लगय अऊ कोनो अबसिवासी या फेर कोनो बाहरि के मनखे उहां आ जावय, त उहां जऊन कुछू सुनथे,

ओकर दुवारा ओला बसिवास हो जाही कि ओह एक पापी मनखे ए, अऊ जऊन कुछ ओह सुनथे, ओकर दुवारा ओह परखे जाही, 25अऊ ओकर मन के भेद ह खुल जाही। तब ओह माड़ी के भार गरिके परमेसर के अराधना करही अऊ चर्चियाके कहाँही, “परमेसर ह सही म तुम्हर बीच म हवय।”

सही ढंग ले अराधना करई

26हे भाईमन हो, तब हमन ला का करना चाही? जब तुमन एक जगह म जूरथव, त हर एक जन करा एक भजन या नरिदेस, परमेसर के बात के परकासन, अनजान भासा या अनजान भासा के अर्थ बताय के गुन रहथि। ए जम्मो चीज कलीसिया के बढ़ोतरी बर होना चाही। 27यदी कोनो अनजान भासा म गोठियाथे, त दू झन या जादा से जादा तीन झन एक-एक करके बोलंय, अऊ कोनो एक झन ओकर अर्थ ला जरूर बतावय। 28यदी कोनो अर्थ बतइया नई ए, त अनजान भासा म बात करइया ला कलीसिया म चुप रहना चाही, अऊ ओला अपन-आप ले अऊ परमेसर ले बात करना चाही।

29अगमजानीमन के दू या तीन झन बोलंय अऊ आने मन ओमन के बात ला परखें। 30अऊ जऊन मन उहां बईठे हवंय, यदी ओम के कोनो ला परमेसर ले कोनो संदेस मलिथे, त जऊन ह गोठियावत हवय, ओह चुप हो जावय। 31काबरकी तुमन जम्मो झन एक-एक करके अगमबानी कर सकथव ताकिहर एक जन ह सखिय अऊ उत्साहित होवय। 32अगमजानीमन के आत्मा ला अगमजानीमन के अधीन रहना चाही। 33काबरकी परमेसर ह गड़बड़ी के परमेसर नो हय, पर सांती के परमेसर अय।

जइसने कि पबतिर मनखेमन के जम्मो कलीसिया म हवय, 34माईलोगनमन ला कलीसिया म चुप रहना चाही। ओमन ला बोले के अनुमती नई ए, पर ओमन अधीन म रहंय जइसने कि मूसा के कानून म लिखे हवय। 35यदी ओमन कुछ चीज के बारे म जाने बर चाहथें, त ओमन ला घर म अपन-

अपन घरवाला ले पुछना चाही; काबरकी कलीसिया म एक माईलोगन के गोठियाना सरम के बात ए। 36का परमेसर के बचन ह तुमन ले सुरू होईस? या परमेसर के बचन ह का सरिपि तुम्हर करा ही हबरसि?

37यदी कोनो ए सोचथे कि ओह एक अगमजानी ए या फेर ओला आतमिक बरदान मलि हवय, त ओह ए बात ला मान ले कि जऊन कुछ मेंह तुमन ला लिखित हवंव, ओह परभू के हुकूम ए। 38कहूं ओह ए बात ला ध्यान नई देवय, त ओकर कोती घलो ध्यान नई दयि जाही।

39एकरसेती, हे मोर भाईमन हो, अगमबानी करे बर उत्सुक रहव, अऊ जऊन ह अनजान भासा म गोठियाथे, ओला मना झन करव। 40पर हर एक चीज उचित ढंग अऊ तरिका ले करे जावय।

मसीह के पुनरजीवन

15 अब हे भाईमन हो, मेंह तुमन ला ओ सुघर संदेस के सुरता कराय चाहथंव, जऊन ला मेंह तुमन ला सुनाय हवंव, जेला तुमन गरहन करेव अऊ जेकर ऊपर तुम्हर बसिवास ह मजबूत हवय। 2एहीच सुघर संदेस ह तुम्हर उद्धार करथे, यदी तुमन ओ बचन म अटल बने रहव, जऊन ला मेंह तुमन ला सुनाय हवंव। नई तो तुम्हर बसिवास करई ह बेकार होही।

3एकरे कारन जऊन बात मोला मलिसि, ओला सबले जादा महत्व के बात समझके, मेंह तुमन ला सऊंप देंव, अऊ ओह ए अय—परमेसर के बचन के मुताबकि मसीह ह हमर पाप खातिर मरसि 4अऊ गाड़े गीस, अऊ परमेसर के बचन के मुताबकि, ओह तीसरा दिन जी उठसि, 5अऊ ओह पतरस ला दिखाई दीस अऊ तब ओह बारहों चेलामन करा परगट होईस। 6ओकर बाद, ओह पांच सौ ले जादा भाईमन ला एक संग दिखाई दीस, जऊन म ले कतको झन अभी घलो जीयत हवंय, पर कुछ झन मर चुके हवंय। 7तब ओह याकूब ला दिखाई दीस, अऊ तब जम्मो प्रेरितमन ला दिखसि 8अऊ

सबले आखरी म ओह मोला घलो दखाई दीस, जइसने किमेंह असामान्य रूप म जनमे हवंव।

9मेंह प्रेरतिमन म सबले छोटे अंव, अऊ प्रेरति कहाय के लइक घलो नो हंव, काबरकि मेंह परमेसर के कलीसिया ला दुःख दे हवंव। 10पर मेंह जऊन कुछू घलो अंव, परमेसर के अनुग्रह के कारन से अंव, अऊ ओकर अनुग्रह मोर म बेकार नईं गीस। एकर उल्टा, मेंह ओ जम्मो इन ले जादा महिनत करंव, पर एह मोर खुद के ताकत ले नईं, पर परमेसर के अनुग्रह ले होईस, जऊन ह मोला दिये गे रहिसि। 11तब, चाहे एह मेंह अंव या ओमन, ओहीच बात के हमन परचार करथन अऊ ओहीच बात म तुमन बसिवास करे हवव।

मरे मनखे के पुनरजीवन

12अब जबकि ए परचार करे जावथे कि मसीह ह मरे म ले जी उठसि, तब तुमन ले कुछू इन कइसने कहथिव कि जऊन मन मर गे हवंव, ओमन फेर जी नईं उठंय? 13कहूं मरे मन जी नईं उठंय, त फेर मसीह घलो जी नईं उठसि। 14अऊ कहूं मसीह ह नईं जी उठसि, त फेर हमर परचार करई ह बेकार ए, अऊ तुम्हर बसिवास ह घलो बेकार ए। 15यदि एह सच ए कि मरे मनखेमन जी नईं उठंय, त फेर परमेसर ह मसीह ला मरे म ले नईं जियाईस अऊ तब परमेसर के बारे म हमर गवाही ह लबारी हो गीस, काबरकि हमन परमेसर के बारे म ए गवाही दे हवन कि ओह मसीह ला मरे म ले जियाईस। 16अऊ कहूं मरे मनखेमन जी नईं उठंय, त फेर मसीह घलो जी नईं उठसि। 17अऊ कहूं मसीह ह नईं जी उठसि, त फेर तुम्हर बसिवास ह बनि मतलब के ए, अऊ तुमन अभी तक अपन पाप म पड़े हवव। 18एकर मतलब ए घलो होईस कि जऊन मन मसीह म मरे हवंव, ओमन घलो नास हो गीन। 19कहूं सरिपि एहीच जनिगी बर हमर आसा मसीह म हवव, तब हमन ला आने जम्मो मनखेमन ले जादा दया के जरूरत हवव।

20पर सच बात ए कि मसीह ह मरे म ले जी उठसि, अऊ ओह ओमन म पहिला फर ए, जऊन मन मर गे हवंव। 21जइसने मरितू ह एक मनखे के दुवारा आईस, वइसनेच मरे मन के पुनरजीवन ह घलो एक मनखे के दुवारा आईस। 22जइसने आदम म जम्मो मनखे मरथें, वइसनेच मसीह म जम्मो इन जीयाय जाहीं। 23पर हर एक इन अपन-अपन पारी म जीयाय जाही; मसीह जऊन ह पहिली जीयाय गीस, जब ओह वापसि आही, त ओमन जीयाय जाहीं, जऊन मन मसीह के अंव। 24अऊ जब मसीह ह सैतान के जम्मो राज, अधिकार अऊ सक्ति ला नास कर चुकही, त ओह ओ राज ला परमेसर ददा के हांथ म सऊंप दिही, तब संसार के अंत हो जाही। 25काबरकि जब तक परमेसर ह जम्मो बईरीमन ला ओकर (मसीह) गोड़ खाल्हे नईं कर दिही, तब तक मसीह के राज करना जरूरी ए। 26सबले आखरी बईरी, जऊन ला नास करे जाही, ओह मरितू ए। 27परमेसर के बचन ह कहथि, “परमेसर ह हर एक चीज ला ओकर गोड़ खाल्हे कर दीस।” हर एक चीज ला ओकर अधीन करे गीस, एकर मतलब ह साफ ए कि ए “हर एक चीज” म परमेसर खुद नईं गने जावय, जऊन ह जम्मो चीज ला मसीह के अधीन करसि। 28जब परमेसर ह ए जम्मो कर चुकही, तब बेटा ह खुदे परमेसर के अधीन हो जाही, जऊन ह कि जम्मो चीज ला बेटा के अधीन करसि, ताकि परमेसर ह जम्मो चीज के ऊपर होवय।

29यदि मरे मन के पुनरजीवन नईं होवय, तब ओमन का करहीं, जऊन मन मरे मनखे खातरि बतसिमा लेथें? यदि मरे मनखेमन बलिकुल ही नईं जीयाय जावय, तब मनखेमन काबर ओमन बर बतसिमा लेथें। 30अऊ हमन काबर हर समय अपन-आप ला जोखिम म डारथन? 31मेंह हर दिन मरितू के सामना करथंव—हे भाईमन हो, मेंह दावा के संग कह सकथंव कि तुमन हमर परभू मसीह यीसू म मोर घमंड अव। 32यदि सरिपि मनखे के सोच के कारन, मेंह इफसिस नगर म जंगली

पसुमन ले लड़ेंव, त फेर मोला का फायदा होईस? यदि मरे मन नई जीयाय जावयं,

“त आवव, हमन खावन अऊ पीयन, काबरका कल तो हमन ला मरना हवय।”

33धोखा इन खावव: “खराप संगती ह बने चाल-चलन ला नास कर देथे।” 34अपन होस म आवव, अऊ अपन पाप के काम ला बंद करव; काबरका कुछू अइसने मनखे हवयं, जऊन मन परमेसर ला नई जानयं। मेंह ए बात तुमहर सरम खातरि कहत हंव।

पुनरजीवन के बाद के देहें

35पर कोनो ए बात पुछ सकथे, “मरे मनखेमन कइसने जी उठथें? ओमन के देहें ह कइसने ढंग के होही?” 36तुमन मुख अव! जऊन बीजा ला तुमन बोथव, जब तक ओह मर नई जावय, तब तक ओह नई जामय। 37जब तुमन बोथव, त सइघो पौधा ला नई बोवव, पर सरिपि बीजा ला बोथव—जइसने कागहूँ के बीजा या कोनो अऊ बीजा। 38पर परमेसर ह अपन ईछा के मुताबकि ओला आकार देथे, अऊ हर किसिम के बीजा ला ओह ओ बीजा के मुताबकि आकार देथे। 39जम्मो के मांस (देहें) ह एक जइसने नई होवय—मनखे, पसु, चरिई या मछरी; ए जम्मो के अलग-अलग किसिम के मांस होथे। 40स्वरगीय देहें होथे, अऊ संसारकि देहें घलो हवय, पर स्वरगीय देहें के सोभा ह एक किसिम के होथे, त संसारकि देहें के सोभा कुछू अऊ किसिम के। 41सूरज के सोभा एक किसिम के हवय, त चंदा के सोभा आने किसिम के, अऊ तारामन के कुछू अऊ किसिम के हवय। अऊ हर तारा के सोभा अलग-अलग होथे।

42अइसनेच मरे म ले जी उठइयामन के संग होही। जऊन देहें ला बोय जाथे, ओह नासमान ए, पर एह अबनिासी दसा म जी उठथे। 43एह अनादर म बोय जाथे, पर एह महिमा के संग जी उठही। एह दुरबलता म बोय जाथे, पर एह सामरथ के संग जी उठही। 44एह सारीरकि देहें के रूप म बोय जाथे, पर एह एक आतमकि देहें के रूप म जी उठही।

जब सारीरकि देहें हवय, त फेर आतमकि देहें घलो हवय। 45जइसने की परमेसर के बचन म लिखे हवय: “पहिला मनखे आदम ह एक जीयत परानी बनाय गीस”, पर आखीरी आदम ह जनिगी देवइया आतमा बनसि। 46आतमकि ह पहलि नई आईस, पर सारीरकि ह पहलि आईस, अऊ तब आतमकि ह आईस। 47पहिला मनखे ह धरती के कुधरा म से बनाय गीस, पर दूसरा मनखे ह स्वरग ले आईस। 48जऊन मन धरती के अंय, ओमन ओकर सही अंय जऊन ह धरती म ले बनाय गे रहिसि, पर जऊन मन स्वरग के अंय, ओमन ओकर सही अंय जऊन ह स्वरग ले आईस। 49जइसने हमन धरती के मनखे के रूप ला धारन करे हवन, वइसने हमन ओ स्वरग के मनखे के रूप ला घलो धारन करबो।

50हे भाईमन हो, मेंह तुमन ला ए बात बतावत हंव; जऊन ह मांस अऊ लहू के बने हवय, ओह परमेसर के राज के भागी नई हो सकय, अऊ न ही नासमान ह अमरता ला पा सकथे। 51सुनव, मेंह तुमन ला एक भेद के बात बतावत हंव: हमन जम्मो इन नई मरन, पर हमन जम्मो इन बदल जाबो, 52अऊ एह एक पल म, पलक झपकत, आखीरी तुरही फूंकते ही हो जाही। काबरका जब तुरही ह फूके जाही, त मरे मनखेमन अबनिासी रूप म जी उठहीं अऊ हमन बदल जाबो। 53काबरका ए जरूरी अय की ए नासमान सुभाव ह अबनिासी सुभाव ला पहिर ले अऊ ए मरनहार सुभाव ह अमरता ला पहिर ले। 54जब नासमान ह अबनिासी ला अऊ मरनहार ह अमरता ला पहिर लही, तब परमेसर के बचन म लिखे ए बात ह सही होही: “मरितू ला नास करे गीस, अऊ जीत ह पूरा होईस।”

55“हे मरितू, तोर जीत कहाँ हवय?

हे मरितू, तोर डंक कहाँ हवय?”

56मरितू के डंक तो पाप ए, अऊ पाप के ताकत मूसा के कानून ए। 57पर परमेसर के

धनबाद होवय! ओह हमन ला हमर परभू यीसू मसीह के दुवारा जीतवाथे।

58 एकरसेती, हे मोर मयारू भाईमन हो, मजबूत अऊ अटल रहव। परभू के काम बर अपन-आप ला हमेसा पूरा-पूरी दे दव, काबरकी तुमन जानथव की जऊन महिनत तुमन परभू बर करथव, ओह बेकार नई होवय।

परमेसर के मनखेमन खातिर दान

16 अब ओ दान के बारे म बतावत हवंव, जऊन ला परमेसर के मनखेमन बर दयि जाथे—एकर बारे म जऊन बात मेंह गलातिया के कलीसियामन ला करे बर कहे हवंव, तुमन घलो वइसनेच करव। 2हर हप्ता के पहिली दिन, तुमन ले हर एक इन अपन कमई के मुताबिक कुछू पईसा अलग रखव, अऊ एला बचाके रखव, ताकी जब मेंह आवंव, त तुमन ला पईसा जमा करना इन पड़य। 3अऊ जब मेंह आहूं, त जऊन मन ला तुमन कहहि, ओमन ला मेंह परिचय के चिट्ठी दे दूहूं, ताकी ओमन तुम्हर दान ला यरूसलेम पहुँचा देवय। 4यदि ए उचित जान पड़ही की मेंह घलो जावंव, त ओमन मोर संग जाहीं।

नजी नबिदन

5मकदिनिया ले होवत, मेंह तुम्हर करा आहूं काबरकी मेंह मकदिनिया होवत जाहूं। 6सायद मेंह तुम्हर संग कुछू समय तक ठहरहूं, अऊ हो सकय, त मेंह जाड़ा के समय म तुम्हर संग रहंव, ताकी जहिं भी मेंह जावंव, तुमन मोर आघू के यातरा म मदद कर सकव। 7अभी मेंह नई चाहथंव की मेंह आवंव अऊ सरिपि तुमन ला देखके चल दंव। मोला आसा हवय कियदि परभू के ईछा होही, त मेंह कुछू समय तक तुम्हर संग रहहिं। 8पर मेंह पनितेकुस्त के तहियार तक इफसुस म रहहिं। 9काबरकी परभू के काम करे बर, मोला एक बहुत अछा मऊका मिलि हवय अऊ मोर बरिध करइया कतको हवय।

10कहूं तीमुथयुस तुम्हर करा आथे, त

तुमन ए बात के खयाल रखव की तुम्हर संग रहत ओला कोनो बात के चिंता इन होवय, काबरकी ओह घलो मोर सहीं परभू के काम करत हवय। 11एकरसेती कोनो ओला तुछ इन समझय। ओला सांति के संग बढ़ा करव, ताकी ओह मोर करा वापस आवय। काबरकी मेंह ओकर बाट जोहत हवंव की ओह आने भाईमन संग आही।

12अब हमर भाई अपुल्लोस के बारे म: मेंह ओकर ले अब्बड़ बनिती करेव की ओह भाईमन के संग तुम्हर करा जावय। ओह अभी बलिकुल नई जाय चाहिस, पर जब ओला मऊका मिलिही, त ओह जाही।

13सचेत रहव। बसिवास म मजबूत बनव। साहसी बनव। बलवान बनव। 14जऊन कुछू तुमन करथव, मया ले करव।

15तुमन स्तफिनास के परिवार ला जानथव। ओमन अखया म सबले पहिली मसीह के बसिवास म आईन अऊ अपन-आप ला संतमन के सेवा म लगाईन। 16हे भाईमन हो! मेंह तुमन ले बनिती करथंव की तुमन अइसने मनखेमन के बात ला मानव अऊ हर ओ मनखे के बात मानव जऊन ह ए काम म मदद करथे अऊ महिनत करथे। 17मेंह स्तफिनास, फूरतूनातुस अऊ अखइकुस के आय ले खुस हवंव, काबरकी ओमन तुम्हर कमी ला पूरा करे हवय। 18ओमन मोर आतमा अऊ संगे-संग तुम्हर आतमा ला घलो तरो-ताजा करे हवय। अइसने मनखेमन के सम्मान करव।

आखरी जोहार

19एसिया प्रदेश के कलीसियामन तुमन ला जोहार कहत हवय। अक्वला अऊ प्रसिकलिला ह परभू म तुमन ला बहुत-बहुत जोहार कहत हवय, अऊ वइसने ओ कलीसिया के मनखेमन घलो जोहार कहथे, जऊन मन ओमन के घर म जुरथे। 20इहां जम्मो भाईमन तुमन ला जोहार कहत हवय। एक-दूसर ला पबतिर चूमा देके जोहार करव।

21में, पौलुस ह अपन हांथ ले ए लिखके जोहार कहथंव।

22यदी कोनो परभू ले मया नई करय, त ओकर ऊपर सराप लगय। हे परभू, आ!
 23परभू यीसू के अनुग्रह तुम्हर ऊपर होवय।
 24मसीह यीसू म मोर मया तुमन जम्मो झन ला मलिय। आमीन।

a 9 प्रेरतिमन के तुलना कैदीमन के लाइन म आखीरी म रखे ओ मनखेमन ले करे गे हवय, जऊन मन खुले-आम जंगली पसुमन के दुवारा मारे जायें। एह एक बेजत्ती वाला मरितू रहिसि। b 14 ए पद म अबसिवासी घरवाला या अबसिवासी घरवाली ला पबतिर नई कहे जावथे, पर बहिाव ला परमेसर ह स्वीकार करथे। c 5 पौलुस ह कहथि कि परमेसर ह यहूदीमन के पुरखामन ला मसिर देस के गुलामी ले बाहरि नकारके लानसि। परमेसर ह ओमन के अगुवाई एक बादर के रूप म करसि। ओमन समुंदर ला सूखा भुइयां

म पार करनि। मूसा ह ओमन के अगुवा रहिसि। परमेसर ह ओमन ला स्वरग ले खाना दीस, जऊन ला “मन्ना” कहे जावय अऊ ओमन ला चट्टान ले पीये बर पानी दीस। तभो परमेसर ह ओम के जादातर मनखेमन ले खुस नई रहिसि, काबरकि ओमन ओकर हुकूम ला नई माननि। एकरसेत ओह अइसने करसि कि ओमन सुनसान जगह म मर गीन अऊ ओमन के लास ह उहां एती-ओती हो गीस। d 8 ए पद ह पौलुस के सारीरकि जनम के बारे म नई कहत हवय, पर एह ओकर ओ आत्मिक जनम के बारे म बतावत हवय, जब ओह दमस्क जावत रहिसि, त रसता म यीसू मसीह ओला दरसन दीस। (देखव—प्रेरतिमन के काम 9:1-9)